मिट्टी में पोषक तत्वों की जांच के बाद ही खेत में प्रयोग करें उर्वरक

संवाद न्यूज एजेंसी

अमर उजाला कानपुर देहात 30/11/2024

कृषि गोष्ठी में जानकारी देते कृषि वैज्ञानिक। स्रोत: कृषि विज्ञान

कानपुर देहात। मिट्टी में सत्रह प्रकार के पोषक तत्व पाए जाते हैं। लगातार उर्वरक का प्रयोग करने और फसलोत्पादन से पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। इससे फसलों में रोग लगने और उत्पादन कम होने की समस्या आती है। मिट्टी में पोषक तत्वों की जांच के अनुसार ही उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए।

मैथा ब्लॉक के औरंगाबाद में शुक्रवार को कृषि निवेश मेला एवं रबी गोष्ठी में यह बात कृषि विज्ञान केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने कही। उन्होंने कहा कि मनमानी तरीके से यूरिया व डीएपी आदि उर्वरक के प्रयोग से खेत की उपजाऊ क्षमता कम होती जाती है। इसलिए मिट्टी नमूना की जांच के अनुसार कम पाए गए पोषक तत्वों के अनुसार ही उर्वरक का प्रयोग करना चाहिए। कृषि वैज्ञानिक ने कहा कि आय बढ़ाने के लिए दलहन एवं तिलहन फसल की जैविक खेती जरूरी है। इससे फसल लागत कम हो जाती है।

जैविक खाद उपयोग से पैदावार में इजाफा होता है। इसका फायदा आहार से केमिकल से होने वाली घातक बीमारियां पर रोक लगने के तौर पर भी होगा। रबी फसलों में दीमक की रोकथाम के लिए बुबेरिया वैसियाना तथा क्लोरपैरीफॉस दवाओं के प्रयोग की सलाह दी। यहां एडीओ कृषि बृजेंद्र यादव ने कृषि विभाग की ओर से संचालित योजनाओं की जानकारी दी। प्रभारी राजकीय कृषि बीज भंडार शिवली दीपक कुमार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के बारे में बताया। कृषि विभाग के दीपक राजपूत, प्रमेश चंद्र, प्रगतिशील किसान चरण सिंह मौजूद रहे।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • शनिवार • 30 नवम्बर • 2024

'जैविक खेती से आय बढ़ा सकते हैं किसान'

पुर। कृषकों की आय वढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा व्लॉक स्तरीय कृषि निवेश एवं रवी गोष्ठी का आयोजन प्रगतिशील कृषक चरण सिंह यादव की अध्यक्षता में ग्राम ाावाद, विकासखंड मैथा में किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील ने किसानों की आय वढ़ाने के लिए दलहन एवं तिलहन फ़सल की खेती करने के साथ-जैविक खेती पर भी विशेष जोर दिया। प्रभारी राजकीय कृषि वीज भंडार शिवली दीपक र ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के वारे में किसानों ानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के दीपक राजपूत, प्रमेश चंद्र, राधेश्याम सहित ड़ों की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 16 अंक : 159 कानपुर, शनिवार 30 नवम्बर 2024 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

खेती में जैविक खादों के प्रयोग करने से बढ़ेगी पैदावार

कानपुर । कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा ब्लॉक स्तरीय कृषि निवेश मेला एवं रबी गोष्ठी का आयोजन प्रगतिशील कृषक चरण सिंह यादव की अध्यक्षता में ग्राम औरंगाबाद, विकासखंड मैथा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि

वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए दलहन एवं तिलहन फ़सल की खेती करने के साथ-साथ जैविक खेती पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि जैविक खादों के प्रयोग करने से पैदावार बढ़ेगी तथा रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम होगा इससे मनुष्य में होने वाली घातक बीमारियां भी नहीं होगी डॉक्टर खान ने रबी फसलों में दीमक की रोकथाम हेतु बुबेरिया वैसियाना तथा क्लोरपैरीफॉस दवाओं के प्रयोग की सलाह दी तथा उन्होंने कहा कि समय-समय पर किसान भाई मिट्टी का परीक्षण भी आवश्यक कराते रहे। इस अवसर पर एडीओ कृषि बृजेंद्र यादव ने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं मेला के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। प्रभारी राजकीय कृषि बीज भंडार शिवली श्री दीपक कुमार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के दीपक राजपूत,प्रमेश चंद्र, राधेश्याम सहित सैकड़ो की संख्या में किसान उपस्थित रहे।

वर्ष : 16 अंक : 323 लखनऊ शनिवार, 30 नवंबर 2024 पृष्ठ : 12, मूल्य: ₹4/-

मौसम

www.vishwavarta.com

विश्ववार्ता

सच्ची ख़बर, पैनी नज़र

नगर संस्करण

कृषकों की आय बढ़ाने को कृषि निवेश मेला आयोजित

विश्ववार्ता संवाददाता

कानपुर। जनपद के कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा एक विकास खंड स्तरीय कृषि निवेश मेला एवं रबी गोष्ठी का आयोजन ग्राम औरंगाबाद, विकासखंड मैथा में आयोजित किया गया। इस मेला कार्यक्रम में चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए दलहन एवं तिलहन फ़सल की खेती करने के साथ-साथ जैविक खेती करने पर भी विशेष जोर दिया।

डा. खलील खान ने किसानों को सलाह दी कि खेतो में जैविक खादों के प्रयोग करने से उनकी पैदावार बढ़ेगी तथा रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम होगा। उर्वरको का प्रयोग कम होने पर लोगों में इससे होने वाली घातक बीमारियां भी नहीं होगी। डॉ. खान ने रबी फसलों में दीमक की रोकथाम हेतु बुबेरिया वैसियाना तथा क्लोरपैरीफॉस दवाओं के प्रयोग की सलाह दी। उन्होंने कहा कि समय-समय पर किसान भाई खेत की मिट्टी का परीक्षण भी अवश्य कराते रहें।

इस अवसर पर एडीओ कृषि बृजेंद्र यादव ने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कृषि मेला के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी।

राजकीय कृषि बीज भंडार शिवली के संचालक दीपक कुमार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के दीपक राजपूत,प्रमेश चंद्र, राधेश्याम सहित सैकड़ो की संख्या में किसान उपस्थित थे।

आज़ाद समाचार
AZAD SAMACHAR
सच्ची खबर पक्की खबर

कृषि विभाग ने किया कृषि निवेश मेला एवं गोष्ठी का आयोजन।

आज़ाद समाचार NOVEMBER 30, 2024 1 MIN READ

आ स. संवाददाता

कानपुर। जनपद के कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा एक विकास खंड स्तरीय कृषि निवेश मेला एवं रबी गोष्ठी का आयोजन ग्राम औरंगाबाद, विकासखंड मैथा में आयोजित किया गया।

इस मेला कार्यक्रम में चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए दलहन एवं तिलहन फ़सल की खेती करने के साथ-साथ जैविक खेती करने पर भी विशेष जोर दिया।

डा. खलील खान ने किसानों को सलाह दी कि खेतो में जैविक खादों के प्रयोग करने से उनकी पैदावार बढ़ेगी तथा रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम होगा। उर्वरको का प्रयोग कम होने पर लोगों में इससे होने वाली घातक बीमारियां भी नहीं होगी।

डॉ. खान ने रबी फसलों में दीमक की रोकथाम हेतु बुबेरिया वैसियाना तथा क्लोरपैरीफॉस दवाओं के प्रयोग की सलाह दी। उन्होंने कहा कि समय-समय पर किसान भाई खेत की मिट्टी का परीक्षण भी अवश्य कराते रहें।

इस अवसर पर एडीओ कृषि बृजेंद्र यादव ने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं कृषि मेला के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी।

राजकीय कृषि बीज भंडार शिवली के संचालक दीपक कुमार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के दीपक राजपूत,प्रमेश चंद्र, राधेश्याम सहित सैकड़ो की संख्या में किसान उपस्थित थे।

कानपुर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सदैव सच के साथ...

समाज का साथी

अंक:229 || वर्ष: 10 || पृष्ठ: 4 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || शनिवार || 30 नवंबर 2024

अंदर के पृष्ठों पर | महाकुम्भ 2025 : देश, विदेश के दो हजार से अधिक प्रमुख संत पृष्ठ... 03 | जुमे की नमाज को लेकर मस्जिदों के बाहर रहा पुलिस का कड़ा पहरा पृष्ठ.

खेती में जैविक खादों के प्रयोग करने से बढ़ेगी पैदावार

कानपुर। कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा ब्लॉक स्तरीय कृषि निवेश मेला एवं रबी गोष्ठी का आयोजन प्रगतिशील कृषक चरण सिंह यादव की अध्यक्षता में ग्राम औरंगाबाद, विकासखंड मैथा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए दलहन एवं तिलहन फ़सल की खेती करने के साथ-साथ जैविक खेती पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि जैविक खादों के प्रयोग करने से पैदावार बढ़ेगी तथा रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम होगा।इससे मनुष्य में होने वाली घातक बीमारियां भी नहीं होगी।डॉक्टर खान ने रबी फसलों में दीमक की रोकथाम हेतु बुबेरिया वैसियाना तथा क्लोरपैरीफॉस दवाओं के प्रयोग की सलाह दी तथा उन्होंने कहा कि समय-समय पर किसान भाई मिट्टी का परीक्षण भी आवश्यक कराते रहे। इस अवसर पर एडीओ कृषि बृजेंद्र यादव ने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं मेला के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। प्रभारी राजकीय कृषि बीज भंडार शिवली श्री दीपक कुमार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी।

हिंदी दैनिक

रहस्य संदेश

अंक-332 शनिवार, 30 नवंबर 2024 लखनऊ व एटा से प्रकाशित R.N.I. No.: UPHIN/2007/20715 पृष्ठ-4 मूल्य

कृषि निवेश मेला एवं कृषि गोष्ठी का किया गया आयोजन

अनवर अशरफ

कानपुर । कृषकों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा ब्लॉक स्तरीय कृषि निवेश मेला एवं रबी गोष्ठी का आयोजन प्रगतिशील कृषक चरण सिंह यादव की अध्यक्षता में ग्राम औरंगाबाद, विकासखंड मैथा में आयोजित किया गया। इस अवसर पर कृषि वैज्ञानिक डॉक्टर खलील खान ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए दलहन एवं तिलहन फ़सल की खेती करने के साथ-साथ जैविक खेती पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि जैविक खादों के प्रयोग करने से पैदावार बढ़ेगी तथा रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम होगा।इससे मनुष्य में होने वाली घातक बीमारियां भी नहीं होगी।डॉक्टर खान ने रबी फसलों में दीमक की रोकथाम हेतु बुबेरिया वैसियाना तथा क्लोरपैरीफॉस दवाओं के प्रयोग की सलाह दी तथा उन्होंने कहा कि समय-समय पर किसान भाई मिट्टी का परीक्षण भी आवश्यक कराते रहे। इस अवसर पर एडीओ कृषि बृजेंद्र यादव ने कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं मेला के बारे में विस्तार से किसानों को बताया। प्रभारी राजकीय कृषि बीज भंडार शिवली श्री दीपक कुमार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में किसानों को जानकारी दी। इस अवसर पर कृषि विभाग के दीपक राजपूत,प्रमेश चंद्र, राधेश्याम सहित सैकड़ो की संख्या में किसान उपस्थित रहे।